THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Please sit down. You have said enough. We will now have a discussion on U.P. *(Interruptions)* Mr. Sikander Bakht, you please get up and initiate the discussion. *(Interruptions)* Will you please sit down?

SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: This is not the way, Mr. Vice-Chairman.

SHRI SATISH AGARWAL: Mr. Bhatt, you cannot challenge the ruling of the Chair.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Here might is right sometimes. *(Interruptions*

HORT DURATION DISCUSSION

Deteriorating Law and Order Situation in Uttar Pradesh

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहब, मैंने 17 फरवरी को चेयरमैंन साहब की खिदमत में दरखास्त दी थी कि यह जो उत्तर प्रदेश ....(**व्यवधान**)...

نیتا ورورھی دل "شری سکندر بخت: صدر صاحب- میں نے 17فروری کو چیرمین صاحب کی خدمت میں درخواست دی تھی کہ یہ جو اتر پردیش "مداخلت"

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): There is no statement. This is a discussion and Mr. Sikander Bakht is initiating it.

श्री सिकन्दर बख्त : उत्तर प्रदेश का जो सिलसिला हुआ था और 17 फरवरी से लेकर अब तक

شری سکندر بخت: اتر پردیش کا جو سلسلہ ہوا تھا اور 17فروری سے لیکر اب تک۔

much water has flowed down the bridge.

आज अखबारात में पढ़ा कि दूसरे सदन में कोई पैनल बनाने की बात हुई है । इसको बहुत गौर से पढ़ने के बाद भी मैं किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका कि पैनल टाइम बाउंड है या नहीं? पैनल का कोई ताल्लुक सुप्रीम कोर्ट की जजमेंट से है या नहीं? जजमेंट कब आ सकती है और उस समय यह पैनल रहेगा या नहीं? क्या यह पैनल को-टर्मिनस है, जो प्रेजीडेंट रूल है, उसके पीरियड के साथ को-टर्मिनस हैं? इन सबका कुछ उल्लेख नहीं है । तो चीजें उलझती जा रही है। एक-आध चीज शायद कोई नई हो जाए लेकिन ज्यादातर पुरानी चीजे हैं, जो चुकी है, उनको ही सामने रखकर मैं बात करूंगा । मेरा कोई भाषण करने का इरादा नहीं है,मैं सिर्फ फैक्ट्स रखूंगा । मैंने अपनी दरख्वास्त में यह कहा था :-

آج اخبارات میں پڑھا کہ دوسرے سدن میں کوئی پینل بنانے کی بات ہوئی ہے۔ اس کو بہت غور سے پڑھنے کے بعد بھی کسی نتیجہ پر نہیں پہنچ سکا کہ پینل ٹائم باؤنڈ ہے یا نہیں۔ پینل کا کوئی تعلق سپریم کی ججمینٹ سے ہے یا نہیں۔ ججمینٹ کب آسکتی ہے اور اس وقت یہ پینل رہیگا یا نہیں۔ کیا یہ پینل کو ٹرمنس ہے۔ جو پریزیڈینٹ رول ہے اس کے پیریڈ کے ساتھ کوٹرمنس ہے۔ اس سب کا کچھ الیکھ نہیں ہے۔ تو چیزیں الجھتی جا رہی ہیں۔ ایک آدھ چیز شاید کوئی نئی ہو جائے۔ لیکن زیادہ تو پرانی چیزیں ہیں۔ جو ہو چکی ہیں انکو ہی سامنے رکھکر میں بات کرونگا۔ میرا کوئی بھاشن کرنے کا ارادہ نہیں ہے۔ میں صرف فیکٹس رکھونگا۔ میں نے اپنی درخواست میں یہ کہا تھا:۔

Sixty-three murders were registered in the State of Uttar Pradesh during February this year. I am talking specifically on the law and order situation in U.P. There is a long list of murders, robberies, road hold-ups etc. The law and order machinery has completely broken down. The Government finds itself totally incompetent to prevent, etc. etc. तो में सिर्फ वाकयात आपके सामने रखना चाहता हूं । मैं हवा में कोई बात नहीं करना चाहता हूं । मैं सिर्फ वाकयात आपके सामने रखना चाहता हूं । सदर साहब, "गाहे-गाहें बाजू ख्वां एं किस्सा-पारिना रा" ये जो पुराने किस्से दोहराने की बात किसी शायद ने एक दर्दमदं दिल के लिए कही थी जो ऐसी यादें ताजा करता था अपने जहन में कि जिसमें खुशबुए बरसती थी, फूल बरसते थें । मैं दोहराई हुई बातों को दोहराने के लिए हाजिर हुआ हूं लेकिन बदकिस्मती यह है कि उसमें सिवाय बेशर्मी के और जिल्लत के और किसी किस्म की आग बरसने वाली नहीं है ।

महोदय, उत्तर प्रदेश में ला एंड आर्डर की सूरते-हाल बिल्कुल बिगड़ चुकी हैं । दिन रात कत्लों-गारत का बाजार गर्म है । लोग सूरज ढलने के बाद घरों से निकलने में डरते हैं । सियासी लोग बेतकाम मारे जा रहे हैं । जाती टकराव भी आम हो चुके हैं । लोगों की जाने जाया हो रही हैं । दिन-दहाडे डाके पड़ रहे हैं । लोग अगवा किए जा रहे हैं । खवातीन की इज्जत गैर-महफूज हो रही है । आम आदमी की जिन्दगी दवाहाली में उलझ चुकी है । गरज नाकानूनियत का बाजार गर्म है । उत्तर प्रदेश में कोई सरकार है भी या नहीं, नजर नहीं आता है ।

सदर साहब, जैसा मैंने कहा कि मेरा भाषण करने का इरादा नहीं है । मैं सिर्फ वाकयात आपके सामने रखूंगा कि क्या-क्या हुए हैं । महोदय, 633 कत्ल की वारदातें सिर्फ जनवरी, 1997 में हुई है । ये अखबारात में आ चुका है । वे कटिग्ज मेरे पास है । मैं आपके सामने क्वोट कर दूंगा । यह एक महीने की बात है उसमें से कुछ मोटे-मोटे वाकयात आपकी खिदमत में मैं रखना चाहता हूं । बदकिस्मती यह है कि वहां के हालात तबाह हो चुके हैं और वहां के गवर्नर साहब दावेदारी किए बगैर बाज नहीं आते हैं। वह समझते हैं कि वहां जो कुछ हो रहा है बिल्कुल दुरूस्त है। बिल्कुल अमन-चैन है और बदकिस्मती यह है कि लोगों की मौत का मुकाबला हम अगली और पिछली मोतों से करते हैं कि

उस महीने में इतनी हुई थी, उस साल में इतनी हुई थी, वहां इतनी कम हुई है । इंसानी जिंदगी को हम अर्थमेटिक के फारमूले के अदंर तब्दील करने की कोशिश करते हैं । महोदय, 4 फरवरी को 3 लोगों का मर्डर हुआ जिसमें एक महिला भी शामिल थी ।

شری سکندر بخت"جاری": تو میں واقعات آپکے سامنے رکھنا چاہتا ہوں- میں ہوا میں کوئی بات نہیں کرنا چاہتا ہوں- صدر صاحب-

گاہے گاہے باز خواں ایں قصہ پارینہ را یہ جو پرانے قصے دوہرانے کی بات کسی شاعر نے ایک دردمند دل کیلئے کہی تھی جو ایسی یادیں تازہ کرتا تھا اپنے ذہن میں کہ جسمیں خوشبوئیں برستی تھیں- پھول برستے تھے- میں دوہرائی ہوئی باتوں کو دوہرانے حاضر ہوا ہوں- لیکن بدقسمتی یہ ہے کہ اسمیں سوائے بے شرمی کے اور ذلت کے کسی قسم کی آگ برسنے والی نہیں ہے-

مہودے- اتر پردیش میں لاء اینڈ آرڈر کی صورتحال بالکل بگڑ چکی ہے دن رات قتل و غارت کا بازار گرم ہے- لوگ سورج ڈھلنے کے بعد گھروں سے نکلنے میں ڈرتے ہیں- سیاسی لوگ بے لگام مارے جاتے ہیں- ذاتی ٹکراؤ بھی عام ہو چکے ہیں- لوگوں کی جانیں ضائع ہو رہی

†[ ]Transliteration in Arabi, Script

اتنی کم ہوئی ہیں۔ انسانی زندگی کی ہم ارتھیمٹیک کے فارمولہ کے اندر تبدیل کرنے کی کوشش کرتے ہیں۔

مہودے۔ چار جنوری کو تین لوگوں کا مرڈر ہوا جس میں ایک مہیلا بھی شامل تھی۔

They were killed in Behrampur village in Bullandshahr district. As a result of caste violence, six Harijans were axed in Meerut on the 6th January. This is followed by further murders of persons belonging to the Gujjar community. A constable, Subash Chandra Giri, the key witness in the Muzzafarnagar firing, was shot dead on the Dehradun Express. On the 11th January two persons were killed in a clash between two mafia groups in Gorakhpur. On 19th January two persons were killed in a caste violence between Brahmins and Yadavs in the Allahabad district. The 26th January, the Republic Day witnessed the killings of five persons in a caste war between Thakurs and Brahmins in Hamirpur. On 11th January again, a lottery seller was shot dead in

front of the Sheetal Plaza complex by a guntotting youth in day light. On 24th January three persons including a railway contractor were gunned down in Alambagh, Lucknow, the VHP leader, Rungta, was kidnapped from Varanasi and his whereabouts have not been known so far. On 5th January, a Sub-Divisional Magistrate, Amitabh Srivastava was shot dead—

यानी अवाम की बात तो छोड़िए, मजिस्टेट तक को नहीं छोड़ा गया है-

at his Allahabad residence. Earlier he was posted as DM at Ayodhya.

ہیں۔ دن دھاڑے ڈاکے پڑ رہے ہیں۔ لوگ اغوای کئے جا رہے ہیں۔ خواتین کی عزت غیر محفوظ ہو رہی ہے۔ عام آدمی کی زندگی دورھالی میں الجھ چکی ہے غرض لاقانونیت کا بازارگرم ہے۔ اترپردیش میں کوئی سرکار ہے بھی یا نہیں۔ نظر نہیں آتا ہے۔

صدر صاحب جیسا میں نے کہا کہ میرا بھاشن کرنے کا ارادہ نہیں ہے۔ میں صرف واقعات آپکے سامنے رکھونگا کہ کیا کیا ہوئے ہیں۔ مہودے۔ 633 قتل کی وارداتیں صرف جنوری 1997 میں ہوئی ہیں۔ یہ اخبارات میں آچکا ہے۔ وہ کٹنگز میرے پاس ہیں۔ میں آپکے سامنے کورٹ کر دونگا۔ یہ ایک مہینے کی بات ہے۔ اس میں سے کچھ موٹے موٹے واقعات کی آپکی خدمت میں میں رکھنا چاہتا ہوں بدقسمتی یہ ہے کہ وہاں کے حالات تباہ ہو چکے ہیں۔ اور وہاں کے گورنر صاحب دعویداری کئے بغیر باز نہیں آتے ہیں۔ وہ سمجھتے ہیں کہ وہاں جو کچھ ہو رہا ہے۔ بالکل درست ہے بالکل امن چین ہے۔ بدقسمتی یہ ہے کہ لوگوں کی موت کامقابلہ ہم اگلی اور پچھلی موتوں سے کرتے ہیں کہ اس مہینے میں اتنی ہوئی تھیں۔ اس سال میں اتنی ہوئی تھیں۔

یہاں

†[ ]Transliteration in Arabic Script

Several National Cadet Corps, girl cadets from Jammu and Kashmir, who were returning after participating in the Republic Day Celebration, were molested on Shalimar Express. Then, Banaras Hindu University—Udaipur College—Lakhimpur-Sitapur bus looted. Gold, silver and other valuables were stolen from the palatial kothi of Shri V.P. Singh in Allahabad. Shri V.P. Singh is undergoing treatment abroad but his house was looted in Allahabad.

बहुत किस्से हैं गरज-ये के ।

بہت قصے ہیں غرضیکہ-

A senior B.J.P leader and former Minister, Brahm Dutta Trivedi, was shot dead along with his body guards in the home district of Farrukhabad. Another B.J.P. leader, Shri Anil Yadav, was shot dead in Kanpur Dehat.

अब मैं बहुत मुश्किल में हूं क्योंकि इन्द्रजीत गुप्त साहब को अजीज रखता हूं, पसंद करता हूं, कद्र करता हूं ।....(**व्यवधान**)...

मैं कहने ही वाला था- शेर । मगर यह इनको देखकर रहम आने लगा है कि सियासत का सफर पाबजौलां तय हो रहा है ।

His helplessness is vivid. He is passing through a phase of screaming agony.

किस्सा यह है, मैं इन्द्रजीत गुप्त जी से मेरा ख्याल, है, मुझे गलत नहीं समझेंगे । मेहरबानी की है आजम साहब बोल पडे हैं । मेरा इन्द्रजीत गुप्ता जी से जो दिल्ली ताल्लुक हैं उसको तोडना नहीं चाहता हूं । मगर

"मकते में आ पड़ी सुखन गुस्ताना बात,
मंजूर इससे कते मोहब्बत नहीं मुझे।"

श्री नरेन्द्र मोहन : तर्जुमां तो कर दीजिए हुजूर ।

श्री सिकन्दर बख्त : मक्रते मे आ पडी है- इसका मतलब यह है कि एक बात ऐसी आ पडी है कि जिसको जिक्र करना पड़ रहा है, करने को जी नहीं चाह रहा है लेकिन मजबूरन करना पड़ रहा है । मंजूर इससे कृते मोहब्बत-मोहब्बत का जो हिस्सा है इन्द्रजीत गुप्ता जी से वह तोडने का कोई इरादा नहीं है ।

सदर साहिबा, होम मिनिस्टर साहब ने दो बार एक बयान दिया है जिससे यह मालूम होता है, इससे आगे तफसिलात में जाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी । एक तो गाजियाबाद के अदंर जो चार लोग कब्ल किए गए थे उस सिलसिलें में आपने 19 दिसम्बर को हाऊस में बयाना दिया था कि – मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि यह चार नौजवान पुलिस के हाथों मारे गए । मेरे पास कागज मौजूद है । उसमें से कोर्ट भी कर सकता हूं आपके अल्फाज । 19 फरवरी को आपने लोक सभा में फरमाया कि – गाजियाबाद में जिन चार नौजवानों की हत्या हुई उसमें कोई शक नहीं है कि वह हत्या पुलिस वालों ने की । इस मामले में वहां से तमाम दरख्वास्त नागरिकों के हस्ताक्षर समेत मेरे पास आई है, वगैरह-वगैरह । इसके बाद क्या जस्टिफिकेशन रह जाता है यू,पी. के गवर्नर के बाद होम मिनिस्टर साहब को रद्द करने का । 24 फरवरी को एक फिर बोले जिसमें आपने कहा

"Everybody is deeply concerned and worried over what is happening in the largest State in this country. It is heading for anarchy, chaos and destruction" मुलायम सिंह जी का एक बयान हुआ ।

Addressing a Press meeting in Bhopal, he said:
"There was no substance in the charge that law and order in that State has collapsed under Mr. Bhandari's rule यह स्टेटसमैन में आया है । गलत और सही की बात मुलायम सिंह जी तशरीफ रखते होते तो वही बतलाते, क्योंकि इसकी तरदीद नहीं हुई । इसलिए हम ठीक मान लेते हैं । देवेगौड़ा साहब का बयान है-

"I cannot take action against the Governor if a murder takes place in the State."

यह पॉयनियर में 5 मार्च में आया है ।

شری سکندر بخت "جاری": اب میں بہت مشکل میں ہوں کیونکہ اندر جیت گپتہ صاحب کو عزیز رکھتا ہوں- پسند کرتا ہوں- قدر کرتا ہوں-..."مداخت"... میں کہنے والا تھا- شعر- مگر یہ انکو دکھکر

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

قتل کئے گئے تھے اس سلسلے میں آپنے 19 دسمبر کو ہاؤس میں بیان دیا تھا کہ مجھے اس میں کوئی شک نہیں ہے کہ یہ چار نوجوان پولیس کے ہاتھوں مارے گئے۔ میرے پاس کاغذ موجود ہے۔ اس میں سے کوٹ بھی کر سکتا ہوں آپ کے الفاظ ۔ انیس فروری کو آپنے لوک سبھی میں فرمایا کہ غازی آباد میں جن چار نوجوانوں کی ہتیا ہوئی اسمیں کوئی شک نہیں کہ وہ ہتیا پولیس والوں نے کی۔ اس معاملے میں وہاں سے تمام درخواست ناگرکون کے ہستاکشر سمیت میرے پاس آئی ہے۔ وغیرہ وغیرہ اسکے بعد کیا جسٹیفیکیشن رہ جاتا ہے۔ یو ۔پی۔ کے گورنر کے بعد ہوم منسٹر صاحب کو رد کرنے کا چوبیس فروری کو ایک دفعہ پھر بولے جسمیں آپنے کہا۔

"Everybody is deeply concerned and worried over what is happening in the largest State in this country. It is heading for anarchy, chaos and destruction."

Addressing a Press meeting in Bhopal, he said:

ملائم سنگھ جی کا ایک بیان ہوا۔

"There was no substance in the charge that law and order in that State has collapsed under Mr. Bhandari's rule."

رحم آنے لگا ہے کہ سیاست کا سفر پابزولان طے ہو رہا ہے۔

''ہز ہیلپ سینس از وویڈ۔ ہی از پاسنگ

تھروف اے فیز آف اسکریمنگ اگونی''

قصہ یہ ہے میں اندر جیت گپتا جی سے میرا خیال ہے مجھے غلط نہیں سمجھیں گے۔ مہربانی کی ہے اعظم صاحب بول پڑے ہیں میرا اندر جیت گپتا جی سے جو دلی تعلق ہے اسکو توڑنا نہیں چاہتا ہوں۔ مگر

مقطع میں آپڑی ہے سخن گسترانہ بات

منظور اس سے قطع محبت نہیں مجھے

شری نریندر موہن: ترجمہ تو کیجئے۔

حضور۔

شری سکندر بخت: مقطع میں آپڑی ہے۔ اس کا مطلب ہے کہ ایک بات ایسی آپڑی ہے کہ جسکا ذکر کرنا پڑ رہا ہے۔ کرنے کو جی نہیں چاہتا ہے لیکن مجبوراً کرنا پڑ رہا ہے۔ منظور اس سے قطع محبت۔ محبت کا جو حصہ ہے اندر جیت گپتا جی سے وہ توڑنے کا کوئی ارادہ نہیں ہے۔

صدر صاحبہ۔ ہوم منسٹر صاحب نے دوبار ایک بیان دیا ہے۔ جس سے یہ معلوم ہوتا ہے۔ اس سے آگے تفصیلات میں جانے کی ضرورت نہیں ہونا چاہئے تھی۔ ایک تو غازآباد کے اندر جو چار لوگ

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

तरदीद प्राइम मिनिस्टर साहब करते हैं और गवर्नर साहब की जुर्रत की तो कोई हद ही नहीं। मैं ताज्जुब करता हूं कि यह बरदाश्त कैसे किया जा रहा है? इंद्रजीत गुप्त जी ने इस पर रीएक्ट किया।

گورنر صاحب یہ بھولتے ہیں کہ پریزیڈنٹ رول اگر ہے تو لاء اینڈ آرڈر کی براہ راست ذمہ داری یا لاء اینڈ آرڈر کے سلسلے میں براہ راست اتھارٹی ہندوستا کے ہوم منسٹر کی ہے اور گورنر کی جرات کیسے ہو سکتی ہے کہ ہوم منسٹر کی کہی ہوئی بات کو دلکے- کچھ سمجھ میں نہیں آتا خدا جانے کیا ہو رہا ہے سمجھ میں آنے والی بات نہیں ہے- کہ ہوم منسٹر جو براہ راست لاء اینڈ آرڈر کے ذمہ دار ہیں- وہ ایک بات نہیں کہتے- دوہراتے ہیں اپنی باتوں کو- انکی بات کو تردید دوسرے منسٹر صاحب کرتے ہیں- انکی بات کی تردید پرائم منسٹر صاحب کرتے ہیں اور گورنر صاحب کی جرات کی توکوئی حد نہیں رہی-

میں تعجب کرتا ہوں کہ یہ برداشت کیسے کیا جا رہا ہے

اندر جیت گپتا جی نے اس پر ری اپکٹ کیا ہے-

"When asked about the UP Governor, Romesh Bhandari's remarks that Mr. Gupta might have misquoted, he said, 'I don't know how he says I have been misquoted. He insists on whatever he said is correct.' The Home Minister was also reminded about his reported

یہ اسٹرینٹ میں آیا ہے- غلط اور صحیح کی بات ملائم سنگھ جی تشریف رکھتے ہوتے تو وہی بتلاتے- کیونکہ اسکی تردید نہیں ہوئی ہے- اسلئے ہم ٹھیک مان لیتے ہیں- دیوگوڑا صاحب کا بیان ہے-

"I cannot take action against the Governor if a murder takes place in the State."

یہ پائے نیر میں پانچ مارچ کو آیا ہے-

यह पॉयोनियर में 5 मार्च को आया है रोमेश भंडारी जी फरमाते हैं।

شری سکندر بخت "جاری": یہ پایونیئر میں 5 مارچ کو آیا ہے- رومیش بھنڈاری جی فرماتے ہیں-

Inaugurating a college of technical education in village Raipur, Mr. Bhandari alleged that the Union Home Minister misguided the nation about the law and order situation in the State. He did not have up-to-date information about the law and order situation in Uttar Pradesh."

गवर्नर साहब यह भूलते हैं कि प्रेजीमेंट रूल अगर है तो लॉ एंड ऑर्डर की बराहेरास्त जिम्मेदारी या लॉ एंड आर्डर के सिलसिले में बराहेरास्ता अथारिटी हिन्दुस्तान के होम मिनिस्टर की है और गवर्नर की जुर्रत कैसे हो सकती है कि होम मिनिस्टर की कही हुई बात को दुलके? कुछ समझ में नहीं आता है। खुदा जाने क्या हो रहा है? समझ में आने वाली बात नहीं है कि होम मिनिस्टर जो बराहेरास्त लॉ एंड ऑर्डर के जिम्मेदार हैं, वे एक बात नहीं कहते, दोहराते हैं अपनी बातों को। उनकी बात की तरदीद दूसरे मिनिस्टर साहब करते हैं, उनकी बात की

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

remarks in a TV interview that the Prime Minister communicated to him only through the Press. He shrugged his shoulder and then quipped, 'No direct communication with the Prime Minister'."

क्या सरकार है? उत्तर प्रदेश तो तबाह हो रहा है लेकिन हम किस किस्म की सूरत को पेश कर रहे हैं मुल्क के सामने ?

کیا سرکار ہے۔ اتر پردیش تو تباہ ہو رہا ہے۔ لیکن ہم کس قسم کی صورت کو پیش کر رہے ہیں ملک کے سامنے۔

What is the concept of collective leadership? The Prime Minister and the Defence Minister are publicly disagreeing with the Home Minister. The Governor is caring two hoots.

यह मैं बरदाश्त नहीं कर सकता, सोच नहीं सकता हूं कि गवर्नर जुर्रत भी कैसे कर सकता है कि हव होम मिनिस्टर साहब की कहीं हुई बात को दुलके?

یہ میں برداشت نہیں کر سکتا سوچ نہیں سکتا ہوں کہ گورنر جرات بھی کیسے کر سکتا ہے کہ وہ ہوم منسٹر صاحب کی کہی ہوئی بات کو دلکے۔

Home Minister Sahib, the Governor has been directly shielding the former Health Minister of U.P. and the then Health Secretary from being charge-sheeted in the Ayodhya scam. I am sorry, ayurvedic scam.

श्री सुरिन्दर कुमार सिंगला : अयोध्या स्कैम में तो कुछ और हो जाएगा ।

SHRI JOHN F. FERNANDES: He has started speaking the truth, Sir.

श्री सिकन्दर बख्त : आयुर्वेद मैंने कहा है । अगर यह आपकी कुछ खुशनूदी का बाईस होती है तो मुबारक हो आपको । मैं आयुर्वेद कह रहा हूं । मैं इसको गैर-सीरियरस नहीं बनाना चाहता हूं । मैं कोशिश कर रहा हूं कि सिर्फ वाकयात की बात कहूं, अल्फाज की उलट-फेर हो जाती है । मैं कुछ चीजें छोड़ रहा हूं ।

شری سکندر بخت "جاری" : آیوروید میں نے کہا۔ اگر یہ آپکی کچھ خوشنودی کا باعث ہوتی ہے تو مبارک ہو آپکو۔ میں آیووید کہہ رہا ہوں۔ میں اسکو غیر سیریس نہیں بنانا چاہتا ہوں۔ میں کوشش کر رہا ہوں کہ صرف واقعات کی بات کہاوں الفاظ کی الٹ پھیر ہو جاتی ہے۔ میں کچھ چیزیں چھوڑ رہا ہوں۔

"The very fact that the Union Home Minister has considered it necessary to prepare an acion plan for UP shows that the law and order situation in the State..."

यह जो एक्शन प्लान बनाया है जिसका कल जिक्र हुआ है, जिसके सिर-पैर का पता नहीं चल पा रहा है कि वह क्या है? उसने अपने जेहन में वह रखा है कि अगर कल को सुप्रीम कोर्ट का बयान आ जाता है तो क्या होगा? क्या उसने अपने जेहन में यह रखा है कि पांच महीने तो गुजर चुके हैं इस मौजूदा

یہ جو الیکشن پلان ہے۔ جسکا کل ذکر ہوا ہے۔ جسکے سرپیر کا پتہ نہیں چل پا رہا ہے کہ وہ کیا ہے۔ اسنے اپنے ذھن میں یہ رکھا ہے کہ اگر کل کو سپریم کورٹ کا بیان آجاتا ہے تو کیا ہوگا۔ کیا اسنے اپنے ذہن میں یہ رکھا ہے کہ پانچ مہینے تو گزر چکے ہیں اس موجودہ۔

†[ ]Transliteration in Arabic Script

illegal and unconstitutional imposition of President's rule in Uttar Pradesh.

थोड़ा वक्त बाकी रह गया है । यह जो आपका एक्शन प्लान बना है ।

تھوڑا باقی رہ گیا ہے- یہ جو آپکا ایکشن پلان بنا ہے-

Is it co-terminus with the expiry of the present period of six months of the President's rule in Utter Pradesh?

कुछ पता नहीं चला कि वह एक्शन प्लान क्या है ? मैं उम्मीद करता हूं कि होम मिनिस्टर साहब जब बोलेंगे तो इसके मुताल्लिक कुछ कहेंगे मगर एक्शन प्लान बानने की बात ही इस चीज का सबूत है कि उत्तर प्रदेश में हालात तबाह हो चुके हैं । जैसा मैंने कहा कि जो दो-तीन बातें होम मिनिस्टर साहब की जबान से निकली है, मैंने उसको कहा है कि

کچھ پتہ نہیں چلا کہ ایکشن پلان کیا ہے- میں امید کرتا ہوں کہ ہوم منسٹر صاحب جب بولیں گے تو اسکے متعلق کچھ کہیں گے مگر ایکشن پلان بنانے کی بات ہی اس چیز کا ثبوت ہے کہ اتر پردیش میں حالات تباہ ہو چکے ہیں- جیسا میں نے کہا کہ جو دو تین باتیں ہوم منسٹر صاحب کی زبان سے نکلی ہیں- میں نے اسکو کہا ہے کہ:

He has been passing through a phase of screaming agony.

न्यूजपेपर की रिपोर्ट और उनकी हैडलाइन के मुताल्लिक भी सुन लीजिए । 16 फरवरी के हिन्दुस्तान टाइम्स में कैप्शन जो हैं:

شری سکندر بخت "جاری": نیوز پیپر کی رپورٹ اور انکی ہیڈ لائن کے متعلق بھی سن لیجئے- سولہ فروری کے ہندوستان ٹائمس میں کیپشن جو ہے:

"Politicians cross fire in Uttar Pradesh."

इस बात में से एक टुकड़ा बताकर खत्म करूंगा । पूरी बात कहने की गुजाइश नहीं है । एक पॉलिटीशियन के बारे में एक साहब ने कहा है:

س بات میں ایک ٹکڑا بتا کر ختم کرونگا- پوری بات کہنے کی گنجائش نہیں ہے- ایک پولیٹیشین کے بارے میں ایک صاحب نے کہا ہے

"I have been threatened. If I get killed tomorrow, burn this city. At least, 10 guns should be provided to each and every *basti* in this town so that we can fight on our own. As far as Government officials are concerned, we consider them to be dead."

उनका नाम में क्या दूं । यहां लिखा हुआ है पर क्या फायदा है?

ان کا نام میں کیا دوں- یہاں لکھا ہوا ہے پر کیا فائدہ ہے-

"Spurt in crime exposes the UP Governor's claim."

यह 14 फरवरी का हिन्दुस्तान टाइम्स है । साल्वे साहब आप पूछ रहे थे ।

یہ چودہ فروری کا ہندوستان ٹائمس ہے- سالوے صاحب آپ پوچھ رہے تھے-

"Six hundred and thirty-three murders were registered in the city during January this year."

आगे और भी है।

†[ ]Transliteration in Arabic Script

آگے اور بھی ہیں۔ ہے۔

"The growing criminaiisation of politics and the deep rooted nexus between politicians and constabulary are being sited as prime reasons for the present sorry state of affairs. Even the Director General says policemen from the level of inspector to beat constable feel that politicians come in the way of dealing effectively with the criminal elements."

मिस्टर राव और कोई बात करते हैं।

مسٹر راؤ اور کوئی بات کرتے ہیں۔

"UP law and order takes a nose dive."

बहुत लम्बा चौडा है । मैं क्या करूं? इसमें ज्यादातर जिक्र विश्वनाथ प्रताप सिंह जी के घर पर डाका पड़ा है, उसके बारे में है ।

بہت لمبا چوڑا ہے۔ میں کیا کروں۔ اس میں زیادہ تو ذکر وشو ناتھ پرتاپ سنگھ جی کے گھر پر ڈاکہ پڑا ہے۔ اسکے بارے میں ہے۔

"Five bodies found in Muzzafarnagar." This has been reported in the *Indian Express* of 15th February.

"UP police on alert after the killing of Brahraadut Dwivedi."

कौनसी सूरत-ए-हाल है जिसके बिनाह पर गवर्नर साहब ने फरमाशा कि यूपी में लॉ ऐंड आर्डर की सिचुएशन बिल्कुल कंट्रोल में है और पहले के मुकाबले में क्या हो रहा है? गवर्नर साहब पर मैं जाती हमला नहीं करना चाहता हूं । मेरे पास बहुत सारा मसाला है जो उनके माजी से ताल्लुक रखता है लेकिन जैसा मैंने अर्ज किया कि मैं किसी जाती हमले के दरमियान में नहीं आना चाहता हूं । मैं खालिस उत्तर प्रदेश की लॉ ऐंड आर्डर सिलुशन की बात करना चाहता हूं । यह क्या कर रहे हैं? गवर्नर साहब ने इरादतन मस्कजी सरकार के ईमा पर एक गैर आइनी सूरत-ए-हाल पैदा कर दिए हैं।

کونسی صورت حال ہے جسکی بنا پر گورنر صاحب نے فرمایا کہ یو۔پی میں لا اینڈ آرڈر کی سچوایشن بالکل کنٹرول میں ہے اور پہلے کے مقابلے میں کیا ہو رہا ہے۔ گورنر صاحب پر میں ذاتی حملہ نہیں کرنا چاہتا ہوں۔ میرے پاس بہت سارے مسالہ ہے جو انکے ماضی سے تعلق رکھتا ہے لیکن جیسا میں نے عرض کیا کہ میں کسی ذاتی حملے کے درمیان میں نہیں آنا چاہتا ہوں میں خالص اتر پردیش کی لاء اینڈ آرڈر سچوایشن کی بات کرنا چاہتا ہوں۔ یہ کیا کر رہے ہیں۔ گورنر صاحب نے ارادتا مرکزی سرکار کی ایما پر ایک غیر آئینی صورتحال پیدا کر دی ہے۔

It is absolutely unconstitutional. President's Rule cannot be imposed over President's rule after the expiry of a year.But it is happening. Five months have already passed.

सियामी ऐलानात की बेएतनाई इतलात की बेतकाल फरमाते रहते हैं । किसी भी सूरत-ए-हाल में बी.जे.पी. को सरकार नहीं बनाने देना है । न बनाइए, ठीक है । एक तरफ तो उनका वक्त इस कोशिश में सर्फ हो रहा है । दूसरी तरफ उनकी जाती जिन्दगी की अय्याशी का जिक्र करना चाहता हूं । राजभवन में हैलीपैड बन रहा है । भंडारीज किंग साइज लिविंग । दो करोड रूपया राजभवन को स्प्रूज-अप करने के लिए और डेढ़ लाख रूपये का एक पलंग बनाया गया है । क्योंकि बाज हिस्से जिस्म के बड़े होते हैं और खुदा जाने कौनसे जिस्म के हिस्से की हिफाजत के लिए उन्होंने डेढ़ लाख का पंलग बनवाया है । दो लाख रूपये का सोफा सैट बनवाया है क्योंकि लेटते वक्त भी जिस्म का कुछ हिस्सा पंलग पर लगता है और बैठते वक्त सोफे पर भी लगता होगा । उसकी हिफाजत बहुत जरूरी है और दूसरी तरफ गवर्नर साहब अय्यशी में मुबतला है और इ छ स किस्म के अखराजात की सैंक्शंस कहां से आ रही है?

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

سیاسی اعلانات کی بے اعتنائی اطلاعات کی بیتقال فرماتے فرماتے رہتے ہیں-کسی بھی صورت حال میں بی-جے – پی کو سرکار نہیں بنانے دینا ہے- نہ بنائے – ٹھیک ہے- ایک طرف تو انکا وقت اس کوشش میں صرف ہو رہا ہے- دوسری طرف انکی ذاتی زندگی کی عیاشی کا ذکر کرنا چاہتا ہوں- راج بھون میں ہیلی پیڈ بن رہا ہے- بھنڈاریزکنگ سائز لیونگ – دو کروڑ روپیہ راج بھون کو اسپروز اپ کرانے کیلیئے اور ڈیڑھ لاکھ روپئے کا ایک پلنگ بنایا گیا ہے کیونکہ بعض حصے جسم کے بڑے ہوتے ہیں اور خدا جانے کون سے جسم کے حصے کی حفاظت کیلئے انہوں نے ڈیڑھ لاکھ کا پلنگ بنایا ہے-دو لاکھ روپے کا صوفہ سیٹ بنوایا ہے-کیونکہ لیٹتے وقت بھی جسم کا کچھ نہ کچھ حصہ پلنگ پر لگتا ہے- اور بیٹھتے وقت صوفے پر بھی لگتا ہے- جسکی حفاظت بہت ضروری ہے- میں پوچھنا چاہتا ہوں کہ ایک طرف تو یو پی جل رہا ہے- اور دوسری طرف گورنر صاحب عیاشی میں مبتلا ہیں اور اس قسم کے اخراجات کی سینکشن کہاں سے آرہی ہے۔

श्री एस. एस. अहलुवालिया (बिहार) : एक प्वांइट ऑफ आर्डर है । उत्तर प्रदेश का मसला बहुत गंभीर मसला है । हम सब लोग इससे सहमत है और इसी कारण से चेयरमैंन साहब ने इसमें अनुमति भी दी है और मेरे ख्याल से राज्यपाल के बारे में या राजभवन के बारे में इस सदन मे जो परम्पराएं रही हैं, उनको मद्देनजर रख...

श्री सिकन्दर बख्त : प्वाइंट ऑफ आर्डर कह रहे हैं इसलिए बैठ जाता हूं ।

شری سکندر بخت: پوائنٹ آف آرڈر کہہ رہے ہیں اسلئے بیٹھ جاتا ہوں-

श्री नरेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश) : वह चीफ ऐक्सीक्यूटिव भी है इसलिए उन्हें कहा जा रहा है ।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यह आपकी समझ के बाहर है ।

श्री नरेन्द्र मोहन : अगर मेरी समझ के बाहर है तो आपकी समझ में आना चाहिए कि...

the Governor is the Chief Executive also and being the Chief Executive it is the right of the House to criticize.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, हम वहां के ला एंड आर्डर पर बहस कर रहे हैं । पर ऐसे अल्फाज जिनको हम सबस्टेन्सिएट नहीं कर सकते हैं इस सदन में, क्योंकि हमें वहीं के अफसरों से काम लेना है । वहां कोई भी गवर्नर बैठेगा उसे उन्हीं से काम लेना है । पर उसी कुर्सी को और उस भवन को इतना ज्यादा बदनाम न करें, उस इंटीटयूशन को इतना बदनाम न करें । इस सदन के माध्यम से कि कल हो हमारे लिए काम करना मुश्किल हो जाये ।...(**व्यवधान**)...

श्री सिकन्दर बख्त : आप बैठिए में जबाव देना जानता हूं ।

شری سکندر بخت: آپ بیٹھئے میں جواب دینا جانتا ہوں-

श्री एस. एस. अहलुवालिया : इस पर अकुंश लगाना चाहिए । आपको जो करना है करिए, आपको जो आरोप लगाना है लगाइये । किन्तु राजनीतिक मुद्दें को इतना खींचकर नहीं ले जाइये कि किसी इंस्टीटयूशन को हम कलंकित कर दें । हमारा यही कहना है।

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

श्री सिकन्दर बख्त : बिल्कुल नहीं किया है । मैं खाली यह पूछना चाह रहा हूं सदर साहब कि खाली पांइट आफ आर्डर...

شری سکندر بخت: بالکل نہیں کیا ہے۔ میں خالی یہ پوچھنا چاہ رہا ہوں۔ صدر صاحب کہ خالی پوائنٹ آف آرڈر....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): I think it is not a point of order but you have made point and I think the Leader of the Opposition will keep that in mind.

श्री सिकन्दर बख्त : पहले तो मैंने आपसे अर्ज किया था कि मैं अपनी तरफ से कुछ नहीं कहूंगा । मैं एक-एक सबूत के साथ कहूंगा । मेरा कहना यह है कि गवर्नर साहब के पास एडवाइजर्स है लेकिन ला एंड आर्डर का विषय उन्होंने बनाए रास्ते अपने हाथ में रख रखा है । यह इस हाउस की जिम्मेदारी है, केन्द्रीय सरकार की जिम्मेदारी है कि वहां ला एंड आर्डर का कारोबार माकृतियत से चलाया जाये और हिन्दुस्तान का पैसा जो वहां पर लग रहा है उसकी बजह मालूम होनी चाहिए....

شری سکندر بخت: پہلے تو میں نے آپسے عرض کیا تھا کہ میں اپنی طرف سے کچھ نہیں کہونگا۔ میں ایک ایک بات ثبوت کے ساتھ کہونگا۔ میرا کہنا یہ ہے کہ گورنر صاحب کے پاس ایڈوائزرس ہیں لیکن لاءاینڈ آرڈر کا وشے انہوں نے براہ راست اپنے ہاتھ مینزکھ رکھا ہے۔ یہ اس ہاؤس کی ذمہ داری ہے۔ کیندر سرکار کی ذمہ داری ہے کہ وہاں لاءاینڈ آرڈر کا کاروبار معقولیت سے چلایا جائے۔ اور ہندوستان کا ایسا جو وہاں پر لگ رہا ہے اسکی وجہ معلوم ہونی چاہئے۔

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): I have the highest regard for you, my dear friend. It has shaken me to the core that we are discussing Governor and the Raj Bhawan vis-a-vis attrocities against women. We are saying that girls were raped on trains. The perceptive is totally...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI (Uttar Pradesh): There is an atmosphere of anarchy. These are the symptoms of that. This is what he means to say.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : श्री सिकन्दर साहब हर बात का जबाव देने के लिए सक्षम है ।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहब, मैं सिर्फ यह अर्ज करना चाह रहा हूं कि मेरा कोई इरादा गवर्नर साहब पर जातीय हमला करने का नहीं है । मैं इंतिहा से ज्यादा तकलीफ में हूं जहनी तौर पर कि उत्तर प्रदेश में तबाही सची हूई है । श्री साल्वे साहब इस को सुनकर चौंक पड़े कि 633 केसेज रजिस्टर्ड हुये हैं एक महीने के अन्दर मर्डर के । मैं यह पूछना चाहता हूं कि इस चीज को हम किस रोशनी में पढे कि ला एंड आर्डर खराब है, वहां डवाइजरी काउन्सिल है लेकिन ला एंड आर्डर की बराए रास्ता जिम्मेदारी गवर्नर साहब ने अपने पास रख रखी है । एक तरफ उत्तर प्रदेश जल रहा है और दूसरी तरफ जो कुछ वहां हो रहा है, मैं जोड कर के बात कह रहा हूं । पलंग बनाना, सोफा बनाना, हेलीपैंड बनाना, यह जातीय हमला नहीं है बल्कि इस तरफ से आंखें बन्द है । कि उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है? और इस किस्म की हरकतें ...(**समय की घंटी**)... में क्या करूं इस बातको खत्म करूं या आगे चलूं ।

شری سکندر بخت: صدر صاحب۔ میں صرف یہ عرض کرنا چاہ رہا ہوں کہ میرا کوئی ارادہ گورنر صاحب پر ذاتی حملہ کرنے کا نہیں ہے۔ میں انتہا سے زیادہ تکلیف میں ہوں۔ ذہنی طور پر کہ اتر پردیش میں تباہی مچی ہوئی ہے۔ شری سالوے صاحب اسکو سن کو چونک

کورٹ ने इस सिलसिले में तीन बातें खासतौर से कहीं । गवर्नर ने बड़ी पार्टियों से बातचीत, शुरू ही नहीं की फलोटेस्ट के बारे में अमली कदम उठाने के लिए सोचना चाहिये था और जमूहरियत के तहफफज की कोई कोशिश नही हुई । इस सूरत में

شری سکندر بخت: صدر صاحب- بہت اچھا- پارلیمنٹ نے آپکا آدیش منظور کر لیا ہے- صدر صاحب یوپی میں ایک غیر آئینی صورت حال چل رہی ہے- پریزیڈینٹس رول کا ایک سال گزر جانے کے بعد اس اسٹیٹ میں پریزیڈینٹس رول نہیں لگایا جا سکتا تھا- ایسی صورت میں اسکا اختیار آئین نے پارلیمنٹ کو بھی نہیں دیا- لیکن یو-پی میں یہ بھی ہو رہا ہے اور دیدہ دلیرپ سے ہو رہا ہے وہاں پر پریزیڈنٹ رول کی چھہ مہینے کی میعاد بھی ختم ہونے والی ہے- حالانکہ الہ آباد ہائیکورٹ کی تین ججوں کی پوری بینچ نے اتفاق رائے سے دسمبر کو فیصلہ دیا اور انہوں نے اس نوٹیفیکیشن کو پیش کیا-

شری سکندر بخت "جاری" : یہ بھی کہا کہ پارلیمنٹ میں اسکے ریٹیفیکیشن کا نوٹیفیکیشن بھی غیر آئینی ہے- "اٹ از الیگل" الہ آباد ہائی کورٹ نے اس سلسلے میں تین باتیں خاص طور سے کہیں-گورنر بڑی پارٹیوں سے بات چیت شروع ہی نہیں کی- فلوٹیسٹ

پڑے کہ 633 کیسیز رجسٹرڈ ہوئے ہیں- ایک مہینے کے اندر مرڈر کے- میں یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ اس چیز کو ہم کس روشنی میں پڑھیں کہ لاء اینڈ آرڈر خراب ہے- وہاں ایڈوائزری کاؤنسل ہے- لیکن لاء اینڈ آرڈر کی براہ راست ذمہ داری گورنر صاحب نے اپنے پاس رکھ رکھی ہے- ایک طرف اترپردیش جل رہا ہے دوسری طرف جو کچھ وہاں ہو رہا ہے- میں جوڑ کر کے بات کہہ رہا ہوں- پلنگ بنانا- صوفہ بنانا- ہیلی پیڈ بنانا- یہ ذاتی حملہ نہیں ہے بلکہ اس طرف سے آنکھیں بند ہیں کہ اترپردیش میں کیا ہو رہا ہے- اور اس قسم کی حرکتیں "ٹائم ٹیبل"... میں کیا کروں اس بات کو ختم کروں یا آگے چلوں-

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Kindly conclude.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहब, बहुत अच्छा मैंने आपका ओदश मंजूर कर लिया है । सदर साहब, यू.पी. में एक गैर आईनी सूरतेहाल चल रहा है । प्रेसीडेंट्स रूल का एक साल गुजर जाने के बाद इस स्टेट में प्रेसीडेंट्स रूल नहीं लगाया जा सकता था । ऐसी सूरत में, इसका इख्तियार आईन ने पार्लियामेंट को भी नहीं दिया, लेकिन यू.पी. में यह भी हो रहा है और दीदा दिलेरी से हो रहा है । वहां पर प्रेसीडेंट्स रूल की छह महीने की मियाद भी खत्म होने वाली है । हालांकि इलाहाबाद हाई कोर्ट के तीन जजों की पूरी बैंच ने इत्तफाक राय से 19 दिसम्बर को फैसला दिया और उन्होंने इस नोटिसफिकेशन को क्वेश किया । यह भी कहा कि पार्लियामेंट में इसके रेटिफिकेशन का नोटिफिकेशन भी गैर-आइनी है । इट इज इल्लिगल । इलाहाबाद हाई

سرکار قانون کے راستے پر نہیں چل رہی ہے تو پریزیڈینٹس رول لگا دیا جائے اگر کیندر میں ہی غیر قانونی کارروائی ہوگی تو اس کا علاج کیا ہے۔ اس کا حل کیا ہے۔ کس کے پاس کیا ہے۔ پارلیمنٹ تک سے وہ اختیار کانسٹی ٹیوشن میں لے لیا ہے لیکن اس پر بدقسمتی سے کوئی عمل نہیں ہوا۔ قصوروار مرکزی سرکار ہے جو گورنر کے ذریعہ سے غیر پارلیمنٹری سرکار کو قائم رکھے ہوئے ہے۔ سال بھر پورا ہونے کے بعد 17 اکتوبر کو پریزیڈینٹ رول پھر قائم کیا گیا۔ الہ آباد ہائیکورٹ کا فیصلہ غیر قانونی ٹھہرایا اور سپریم کورٹ سے فیصلہ ابھی آیا نہیں۔ کب آئیگا 4 مہینے کی مدت تو تقریبا ختم ہونے والی ہے۔ ہمارے پاس اس کے علاوہ کیا چارہ ہے۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): Mr. Bakht, would you like to continue after lunch also?

SHRI SIKANDER BAKHAT: No, Sir.I am finishing my speech in two minutes.I will take only two minutes more. मैं तो बहुत कुछ छोड़ चुका हूं, सदर साहब ।

میں تو بہت کچھ چھوڑ چکا ہوں۔ صدر صاحب۔

The judgement of the High Court required convening of the elected Assembly so as to allow the people's representatives to elect a Government I and its leader. In the words of the

کے بارے میں عمل قدم اٹھانے کےلئے سوچنا چاہئے تھا اور جمہوریت کے تحفظ کی کوئی کوشش نہیں ہوئی۔ اس صورت میں:

The entire State of Uttar Pradesh has been left to the whims and fancies of an individual whose main job is to keep the BJP out of the Government at the behest of his masters at the Centre.मैं मरकज की जिम्मेदारी मानता हूं ।

میں مرکز کی ذمہ داری مانتا ہوں۔

The State of UP is being governed unconstitutionally. Sir, if such a state of affairs is allowed to continue in the largest State of this country, if the political leaders are hounded out or killed in cold blood, if the Government machinery becomes a silent spectator to all sorts of heinous crime, I am afraid democracy will go not only from UP but also from the whole country. What is at stake is the survival of the democratic polity.

मैं यह भी अर्ज करना चाहुगा सदर साहब कि यह भी सोचा जाये कि अगर किसी सूबे में सरकार कानून के रास्ते पर नहीं चल रही है तो प्रोसिडेट्स रूल लगा दिया जाये । अगर केन्द्र में ही गैर कानूनी कार्यवाही होगी तो उसका इलाज क्या है, उसका हल क्या है, किसके पास है ? पार्लियामेंट तक से वह अख्तिस्मती कांस्टीटयूशन में ले लिया है लेकिन उस पर बदकिस्मती से कोई अमल नहीं हुआ, कुसूरवार मरकजी सरकार है जो गवर्नर के जरिये से गैर पार्लियामेंटरी सरकार को कायम रखें हुए है । साल भर पूरा होने के बाद 17 अक्तूबर को प्रेसिडेंट्स रूल फिर कायम किया गया । इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला इन्होने गैर-कानूनी ठहराया और सुप्रीम कोर्ट से फैसला अभी तक आया नहीं, कब आयेगा, 6 महीने की मुद्दत तो तकरीबन खत्म होने वाली है , हमारे पास इसके अलावा क्या चारा है?

میں یہ عرض کرنا چاہونگا صدر صاحب کہ یہ بھی سوچا جائے اگر کسی صوبے میں

Attorney-General of India', there was a dear and demonstrable failure of the constitutional machinery. It was induced by the Central Government acting in abuse of power and directing the Governor to ensure that the BJP was not given the chance although it was the largest single party. The Centre's preferences ...*(Interruptions)*...

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Mr. Vice-Chairman, Sir, how can he quote from the judgement?

SHRI SIKANDER BAKHT: I am not saying anything against the Supreme Court's judgement.

SHRI JOHN F. FERNANDES: This has been stayed by the Supreme Court. The matter is *sub judice.*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI): He is only quoting from the judgement.

SHRI SIKANDER BAKHT: What have I said? I did not say one word against the Supreme Court. What have I said? I want to know. I have not said anything against the Supreme Court.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. JOGI) He has only quated from the judgement.

SHRI SIKANDER BAKHT: I have only said that the Supreme Court...*(Interruptions)*... What are they saying? ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Please take your seats.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, all that we want is a democratic Government in Uttar Pradesh...*(Interruptions)*...

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : श्री अहलुवालिया जी, कृपया बैठ जाइये ...(**व्यवधान**)...

If there was a vaccum at all, it was a vaccum of good sense and propriety.

मैं कहना चाहता हूं कि इस सूरत-ए-हाल में जो मौजूदा हालत कानूनीतौर पर, कांस्टीटयूशनल तौर पर उत्तर प्रदेश में चल रही है, हमारे पास चारा क्या हैं? एक कदम तो उठाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की सूरत-ए-हाल तबाह को चुकी है जिसके लिए मुझे कुछ कहने की जरुरत नही है, मैंने सिर्फ कोट्स में आपसे बात की है कि इन गवर्नर साहब को वहां से हटाया जाये, किस चीज का इन्तजार है? मेरा ख्याल यह है कि केन्द्र सरकार ने कल अपने एक्शन-प्लान क मतलब सिवाय इसके कुछ नही कि जो सूरत-ए-हाल चल रही है, उत्तर प्रदेश में वह जारी रहे। मेरा मुताबला आखिर में सिर्फ यह कहने का है कि इन गवर्नर साहब को फोरन से भी पहले बर्ख्वास्त किया जाए।

میں کہنا چاہتا ہوں کہ اس صورت حال میں موجودہ قانونی طور پر کانسیٹیوشنل طور پر اتر پردیش میں چل رہی ہے-ہمارے پاس چارہ کیا ہے ایک قدم تو اٹھایا جا سکتا ہے کہ اتر پردیش میں قانون اور ویوستھا کی صورت حال تباہ ہو چکی ہے- جسکے لئے مجھے کچھ کہنے کی ضرورت نہیں ہے- میں صرف کوٹس میں آپ سے بات کی ہے-کہ ان گورنر صاحبہ کو وہاں سے ہٹایا جائے- کس چیز کا انتظار ہے- میرا خیال یہ ہے کہ کیندر سرکار نے کل اپنے ایکشن پلان کا ذکر کیا ہے- اس ایکشن پلان کا مطلب سوائے اس کے کچھ نہیں کہ جو صورت حال چل رہی ہے اتر پردیش میں وہ جاری رہے-

شری سکندر بخت "جاری" : میرا مطالبہ آخر میں صرف یہ کہنے کا ہے کہ ان گورنر صاحب کو فورا سے بھی پہلے برخاست کیا جائے-

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : सदन की कार्यवाही दोपहर के भोजन के लिए 2 बजे तक के लिए स्थागित की जाती है।

The House adjourned for lunch at one of the clock.

The House reassembled after lunch at four minutes past two of the clock—THE VICE-CHAIRMAN (SHRI P.K. JOGI) in the Chair.

SHORT DURATION DISCUSSION

Deteriorating Law and Order Situation in Utter Pradesh—Contd.

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : सैयद सिब्ते रजी जी।

सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश) : वाइसचेयर्मैन साहब; इससे पहले कि मैं अपनी बात रखू मै समझता हूं कि प्रारम्भ में ही इस बात को साफ कर दूं कि जब हम इस परिचर्चा में राज्यपाल महोदय का नाम लेते हैं तो हमारा तात्पर्य राज्यपाल पर व्यक्तिगत आक्षेप से ताल्लुक नही रखता है क्योकि हम राज्यपाल को कांस्टिटयूशन के उन प्रावधानों के तहत यहां डिसकस नही कर रहे है जिनके तहत हम उस हाई आफिस पर कुछ बातचीत नही करते। लेकिन आज जो हम यहां पर चर्चा कर रहे है क्योकि वहां राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है और राष्ट्रपति शासन के अन्तर्गत संविधान के अनुच्छेद 396(I) (ए), (बी) और (सी) का अगर खुलासा किया जाए....

मै सदन का अधिक समय नही लेना चाहूंगा कि उन प्रावधानों को आप के सामे प्रस्तुत करूं । स्वयं आप उसे भलीभांति जानते है कि जब हम राज्यपाल का नाम लेते है और वहां आर्टिकल 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है तो प्रोक्लेमेशन की घोषणा करते ही सारी-की-सारी एक्जीक्यूटिव पावर्स या एक्जीस्यूटिव फंक्शंस की जितनी भी जिम्मेदारियां और अधिकार है, वह राष्ट्रपति के हाथों मे निहित हो जाती हो जाती है और जब राष्ट्रपति के हाथों में शाक्तियां निहित हो जाती है तो निश्चित रूप से हमार जो फेडरल सिस्टम है या पार्लियामेंतरी सिस्टम ऑफ गवर्नमेंट है, उस में जब-जब हम राष्ट्रपति का नाम लेंगे या राष्ट्रपति शासन का नाम लेगे या राज्यपाल का नाम लेंगे तो हमार तात्पर्य केन्द्र सरकार से होगा क्योकि केन्द्र सरकार ही आर्टिकल 356 के अंतर्गत वहां पर शासन चला रही होती है। यह सही है कि राज्यपाल उस का एक माध्यम होता है, उस का एक प्रतिनिधि होता है। इसलिए उपसभाध्यक्ष महोदय, आज जो परिस्थिति उत्तर प्रदेश में अभरकर आई है, मैं समझता हू कि मुख्य रूप से केन्द्र सरकार उस की जिम्मेदार है । यदि केन्द्र सरकार ने पूर्ण रूप से वहां के शासन में, प्रशासन में दिलचस्पी ली होती तो आज यह परिस्थिति नही पहुंचती कि गवर्नर साहब किसी गलतफहमी के कारणवश या जाने अनजाने में सविधान के ये जो अनुच्छेद है, संविधान के जो आर्टिकल्स या प्रोवीजंस है, उन को या तो वह भूल गए है या उस की अनदेखी कर रहे है और यह समझ बैठे है कि शायद वहां पर किसी एक व्यक्ति विशेष का शासन है या एक विशेष राजनीतिक पार्टी का शासन है या जो संयुक्त मोर्चा है, उस का शासन है जबकि असल में वहां पर इस वक्त शासन केन्द्र सरकार का है । इसलिए उपसभाध्यक्ष महोदय, हम सब चिंतित हो गए जब लोक सभा में हमारे गृह मंत्री जी ने यह कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रशासन इस हद तक पहुंच चुका है, वहां कानून और व्यवस्था की स्थिति इस हद तक खराब हो गयी है कि वह अनार्की, डिवास्टेशन और बर्बादी की तरफ पहुंच जाएगा । इस से हम सभी आहत हुए और हम सब को एक धक्क लगा और निश्चित रूप से जब हम मे हमारे प्रदेश की एसी स्थिति पर परिचर्चा कराने की बात की तो हमारे जेहन के अंदर माननीय गृह मंत्री जी का यह वक्तव्य था। हमें खेद है कि ससंदीय प्रणाली के अतंर्गत जो हमें अधिकार मिले हैं, उन अधिकारों से आज जो केन्द्र सरकार वहां पर शासन कर रही है और उन के जो प्रतिनिधि वहां पर बैठे हुए हैं, वह हमें इस से वंचित करना चाहती हूं । उपसभाध्यक्ष महोदय, जिस तरह से माननीय गृह मंत्री जी की टिप्पणी के ऊपर प्रेस कांफरेंस के जरिए वक्तव्य महा-महिम राज्यपाल महोदय ने, उन की जो एक्जीक्यूटिव पोजीशन है, उस का इस्तेमाल करने हुए किया, उससे हम सभी आहत हुए और यह जो पार्लियामेंटरी सिस्टम ऑफ गवर्नमेंट की महान परपंराए हैं या फेहरल सिस्टम की परंपराएं है, उन पर उस वक्त काफी चोट पहुंचती है ।

महोदय, अभी जैसाकि तबसरा हमारे लायक दोस्त ने किया कि पायोनियर न्यूज पेपर में कल या परसों छपा है, कि गृह मंत्री जी तो जानते ही नहीं है, कि उत्तर प्रदेश में क्यों हो रहा है? उन के पास फैक्टस् नहीं है, फिगर्स नहीं